गर्भाधान संस्कार

महर्षि दयानन्द सरस्वती

कृत

संस्कार विधि

से

अनुवाद कर्ता: सञ्जय मोहन मित्तल

Garbhaadhaana Sanskaara

Prayers and Procedures for conception of a child

From Sanskaara Vidhi by Maharṣhi Dayaananda Sarasvatee

Translated by: Sañjay Mohan Mittal

गर्भाधान संस्कार । Conception of a child

पुरोहित के निर्देश अनुसार दैनिक प्रार्थना आदि करे जिसमें आचमन, अंगस्पर्श, ईश्वर स्तुति उपासना, स्वस्ति वाचन, शान्तिकरण, अग्नि का आहवान, समिधा धान, आघारावाज्यभाग आहुति, स्विष्टकृत आहुति, बृहद विशेष यज्ञ आदि प्रकरण हैं। फिर कुण्ड में निम्न आहुतियाँ दें।

Under the direction of a scholarly priest, perform the routine prayer and procedures like aachamana, aṅgasparsha, eeshvara stuti upaasanaa, svasti vaachana, shaantikaraṇa, start of havan and offerings up to bṛihad visheṣh yajña. After completion of the routine procedures following special offering are made in the holy fire.

प्रत्येक घी की आहुति के बाद चम्मच मे बचे घी को एक अलग पात्र में इकट्ठा करते जाए। इसका प्रयोग बाद में बताया गया है।

After every oblation with ghee collect the ghee left on the spoon in a separate bowl. Usage of this ghee is described later.

पहली बीस आहुतियों में चार पञ्चक हैं । इनमे तीनों लोको के देवता क्रमशः, पृथिवी के देवता अग्नि, अन्तरिक्ष के देवता वायु, द्युलोक के देवता चन्द्र व सूर्य से प्रार्थना की गई है कि पत्नि और पति के बीच में सौहार्द बना रहे और पत्नि पति को धर्मानुकूल आचरण की और प्रेरित करे। यहाँ पर स्त्री के चार प्रमुख दोषों को दूर करने के लिए प्रार्थना की गई है। केवल स्त्री के ही दोषों पर अधिक ध्यान इसलिए है क्योंकि मूलतः वह ही बच्चे के संस्कारों की निर्मात्री है। इन चार पञ्चकों में निम्न वाक्य प्रमुख हैं।

पञ्चक	प्रमुख वाक्य	भाव
पहला	पापी लक्ष्मीस्तनूस्तामस्या अपजहि	स्त्री के शरीर पर कोई भी अधर्म से प्राप्त गहना न हों । वह धन अथवा गहनों की लालसा में पति को अधर्म की ओर प्रेरित न करे।
दूसरा	पतिघ्नी तनूस्तामस्या अपजहि	स्त्री पति का हनन करने वाली न हो । वह पति को तानों से प्रताडित न करे ।
तीसरा	अपुत्र्यास्तनूस्तामस्या अपजहि	स्त्री सन्तान उत्पन्न करने के अयोग्य न हो।
चौथा	अपसव्यास्तनूस्तामस्या अपजहि	स्त्री पति के प्रतिकूल न चले । पत्नि पति का सहयोग करे ।

First 20 offerings have four sets of five offerings each. Each set has offerings for the devataa of all three realms (lokaas), i.e. the radiant fire as the prevailing devataa of the earth, the air as the prevailing devataa of the skies and moon and sun as the prevailing devataas of the celestial realm. These are prayers for harmony between husband and wife and a directive that the wife should encourage the husband to follow the righteous path. Each set focuses and prays for removal of a significant flaw the wife may be subject to. The focus in these prayers is primarily on the wife, the mother to be, as she is the one who imparts basis sansakaars, the guiding principles, to the child. These four sets have following dominant thoughts.

Set	Main Theme	Import
1st	paapee lakṣhmees-tanoos-taam-asyaa apajahi	Take away any ornaments adoring the wife's body, which have been obtained using vicious means. The wife, out of lust, should never encourage husband to earn using unfair means.
2nd	patighnee tanoos-taam-asyaa apajahi	The wife may not be the tormentor of the husband.
3rd	Aputryaas-tanoos-taam-asyaa apajahi	The wife may not be incapable of bearing a child.
4th	Apasavyaas-tanoos-taam-asyaa apajahi	The wife may not act contrary to the husband. The wife should always support her husband.

घी की आहुतियाँ दे

Oblations with ghee

ओम् अग्ने प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि

ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि

यास्याः पापी लक्ष्मीस्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥

इदमग्नये इदन्न मम ॥१॥

अग्ने प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पापी लक्ष्मीः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् अग्नये इदम् न मम ॥

हे (*प्रायश्चित्ते*) **चित्त शुद्ध करने वाले** (*अग्ने*) **अग्नि!** (*त्वम्*) **तू** (*देवानाम्*) **सब देवी देवताओं में से ऐसा देव है जो** (*प्रायश्चित्तिः*) **हमारे चित्त को शुद्ध** (*असि*) **कर देता है।** (*ब्राह्मणः*) **आत्म ज्ञान का** (*नाथकाम*) **प्यासा मैं** (*धावामि*) **भागकर** (*त्वा*) **तेरे** (*उप*) **पास आया हूँ ।** (*या*) **मेरी स्त्री** (*अस्याः*) **के** (*तनूः*) **शरीर पर कोई भी** (*पापी*) **अधर्म से प्राप्त** (*लक्ष्मीः*) **गहना हो तो** (*ताम्*) **उसे** (*अस्या*) **उससे** (*अपजहि*) **दूर कर दे।** (*स्वाहा*) **मेरी पुकार सुन मेरे सुखो को बढाईयें।** (*इदम्*) **यह आहुति अब** (*अग्नये*) **अग्नि की हुई** (*इदम्*) **इसमें** (*मम*) **मेरा कुछ शेष** (*न*) **नहीं रहा।**

1. om agne praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittir-asi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
yaasyaaḥ paapee lakṣhmees-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idam-agnaye idanna mama

O (*praayash*) **Cleanser of the** (*chitte*) **conscious! O** (*agne*) **Agni!** (*devaanaam*) **Out of all devatas** (*tvan*) **you are the one who** (*asi*) **can** (*praayash*) **cleanse our** (*chittir*) **conscious. I have** (*dhaavaami*) **come running** (*upa*) **to** (*tvaa*) **you due to my** (*naathakaama*) **thirst for** (*braahmaṇas*) **spiritual knowledge.** (*apajahi*) **Take away** (*taam*) **any** (*lakṣhmees*) **ornament** (*asyaa*) **that adorns** (*ya asyaaḥ*) **my wife's** (*tanoos*) **body, which has been gotten via** (*paapee*) **unrighteous means. Please** (*svaahaa*) **increase my happiness by listening to my cries.** (*idam*) **This offering now belongs to** (*agnaye*) **Agni,** (*idan*) **it is** (*na*) **no longer** (*mama*) **mine**

ओं वायो प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पापी लक्ष्मीस्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं वायवे इदन्न मम ॥२॥

वायो प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पापी लक्ष्मीः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् वायवे इदम् न मम ॥

2. om vaayo praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittir-asi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
yaasyaaḥ paapee lakṣhmees-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idam vaayave idan-na mama

ओं चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पापी लक्ष्मीस्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं चन्द्राय इदन्न मम ॥३॥

चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पापी लक्ष्मीः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् चन्द्राय इदम् न मम ॥

3. om chandra praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittir-asi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
yaasyaaḥ paapee lakṣhmees-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idañ chandraaya idan-na mama

ओं सूर्य प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पापी लक्ष्मीस्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं सूर्याय इदन्न मम ॥४॥

सूर्य प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पापी लक्ष्मीः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् सूर्याय इदम् न मम ॥

4. om soorya praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittir-asi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
yaasyaaḥ paapee lakṣhmees-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idan sooryaaya idan-na mama

ओम् अग्निवायुचन्द्रसूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयं देवानां प्रायश्चित्तयः स्थ
ब्राह्मणो वो नाथकाम उपधावामि
यास्याः पापी लक्ष्मीस्तनूस्तामस्या अपहत स्वाहा ॥
इदमग्निवायुचन्द्रसूर्येभ्यः इदन्न मम ॥५॥

अग्नि वायु चन्द्र सूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयम् देवानाम् प्रायश्चित्तयः स्थ ब्राह्मणः वः नाथकाम उप धावामि या अस्याः पापी लक्ष्मीः तनूः ताम् अस्या अपहत स्वाहा ॥ इदम् अग्नि वायु चन्द्र सूर्येभ्यः इदम् न मम ॥

5. om agni-vaayu-chandra-sooryaaḥ praayash-chittayo
yooyan devaanaam praayash-chittayaḥ stha
braahmaṇo vo naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaaḥ paapee lakṣhmees-tanoos-taam-asyaa apahata
svaahaa |
idam-agni-vaayu-chandra-sooryebhyaḥ idan-na mama

ओम् अग्ने प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पतिघ्नी तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदमग्नये इदन्न मम ॥६॥

अग्ने प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पतिघ्नी तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् अग्नये इदम् न मम ॥

हे (*प्रायश्चित्ते*) **चित्त शुद्ध करने वाले** (*अग्ने*) **अग्नि!** (*त्वम्*) **तू** (*देवानाम्*) **सब देवी देवताओं में से ऐसा देव है जो** (*प्रायश्चित्तिः*) **हमारे चित्त को शुद्ध** (*असि*) **कर देता है।** (*ब्राह्मणः*) **आत्म ज्ञान का** (*नाथकाम*) **प्यासा मैं** (*धावामि*) **भागकर** (*त्वा*) **तेरे** (*उप*) **पास आया हूँ ।** (*या*) **मेरी स्त्री** (*अस्याः*) **के** (*तनूः*) **शरीर पर कोई भी** (*पतिघ्नी*) **पति घात का लक्षण हो तो** (*ताम्*) **उसे** (*अस्या*) **उससे** (*अपजहि*) **दूर कर दे।** (*स्वाहा*) **मेरी पुकार सुन मेरे सुखो को बढाईयें।** (*इदम्*) **यह आहुति अब** (*अग्नये*) **अग्नि की हुई** (*इदम्*) **इसमें** (*मम*) **मेरा कुछ शेष** (*न*) **नहीं रहा।**

6. om agne praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaaḥ pati-ghnee tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idam-agnaye idan-na mama

O (*praayash*) **Cleanser of the** (*chitte*) **conscious! O** (*agne*) **Agni!** (*devaanaam*) **Out of all devatas** (*tvan*) **you are the one who** (*asi*) **can** (*praayash*) **cleanse our** (*chittir*) **conscious. I have** (*dhaavaami*) **come running** (*upa*) **to** (*tvaa*) **you due to my** (*naathakaama*) **thirst for** (*braahmaṇas*) **spiritual knowledge.** (*apajahi*) **Take away** (*taam*) **any** (*ghnee*) **tendencies to harm** (*pati*) **her husband** (*asyaa*) **that are on** (*ya asyaaḥ*) **my wife's** (*tanoos*) **body. Please** (*svaahaa*) **increase my happiness by**

listening to my cries. (*idam*) **This offering now belongs to** (*agnaye*) **Agni,** (*idan*) **it is** (*na*) **no longer** (*mama*) **mine**

ओं वायो प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पतिघ्नी तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं वायवे इदन्न मम ॥७॥

वायो प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पतिघ्नी तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् वायवे इदम् न मम ॥

7. om vaayo praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaaḥ pati-ghnee tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idam vaayave idan-na mama

ओं चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पतिघ्नी तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं चन्द्राय इदन्न मम ॥८॥

चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पतिघ्नी तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् चन्द्राय इदम् न मम ॥

8. om chandra praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaaḥ pati-ghnee tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idañ chandraaya idanna mama

ओं सूर्य प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्याः पतिघ्नी तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं सूर्याय इदन्न मम ॥९॥

सूर्य प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्याः पतिघ्नी तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् सूर्याय इदम् न मम ॥

9. om soorya praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaaḥ pati-ghnee tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idan sooryaaya idanna mama

ओम् अग्निवायुचन्द्रसूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयं देवानां प्रायश्चित्तयः स्थ
ब्राह्मणो वो नाथकाम उपधावामि
यास्याः पतिघ्नी तनूस्तामस्या अपहत स्वाहा ॥
इदमग्निवायुचन्द्रसूर्येभ्यः इदन्न मम ॥१०॥

अग्नि वायु चन्द्र सूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयम् देवानाम् प्रायश्चित्तयः स्थ ब्राह्मणः वः नाथकाम उप धावामि या अस्याः पतिघ्नी तनूः ताम् अस्या अपहत स्वाहा ॥ इदम् अग्नि वायु चन्द्र सूर्येभ्यः इदम् न मम ॥

10. om agni-vaayu-chandra-sooryaaḥ praayash-chittayo
yooyan devaanaam praayash-chittayaḥ stha
braahmaṇo vo naatha-kaama upa-dhaavaami
ya-asyaaḥ pati-ghnee tanoos-taam-asyaa apahata svaahaa |
idam-agni-vaayu-chandra-sooryebhyaḥ idan-na mama

ओम् अग्ने प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपुत्र्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदमग्नये इदन्न मम ॥११॥

अग्ने प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपुत्र्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् अग्नये इदम् न मम ॥

हे (*प्रायश्चित्ते*) **चित्त शुद्ध करने वाले** (*अग्ने*) **अग्नि!** (*त्वम्*) **तू** (*देवानाम्*) **सब देवी देवताओं में से ऐसा देव है जो** (*प्रायश्चित्तिः*) **हमारे चित्त को शुद्ध** (*असि*) **कर देता है।** (*ब्राह्मणः*) **आत्म ज्ञान का** (*नाथकाम*) **प्यासा मैं** (*धावामि*) **भागकर** (*त्वा*) **तेरे** (*उप*) **पास आया हूँ ।** (*या*) **मेरी स्त्री**

(*अस्या*) **के** (*तनूः*) **शरीर पर कोई भी** (*अपुत्र्याः*) **बांझ होने का लक्षण हो तो** (*ताम्*) **उसे** (*अस्या*) **उससे** (*अपजहि*) **दूर कर दे।** (*स्वाहा*) **मेरी पुकार सुन मेरे सुखो को बढाईयें।** (*इदम्*) **यह आहुति अब** (*अग्नये*) **अग्नि की हुई** (*इदम्*) **इसमें** (*मम*) **मेरा कुछ शेष** (*न*) **नहीं रहा।**

11. om agne praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa aputryaas-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idam-agnaye idanna mama

O (*praayash*) **Cleanser of the** (*chitte*) **conscious! O** (*agne*) **Agni!** (*devaanaam*) **Out of all devatas** (*tvan*) **you are the one who** (*asi*) **can** (*praayash*) **cleanse our** (*chittir*) **conscious. I have** (*dhaavaami*) **come running** (*upa*) **to** (*tvaa*) **you due to my** (*naathakaama*) **thirst for** (*braahmaṇas*) **spiritual knowledge.** (*apajahi*) **Take away** (*taam*) **any** (*aputryaas*) **signs of infertility** (*asyaa*) **that are on** (*ya asyaa*) **my wife's** (*tanoos*) **body. Please** (*svaahaa*) **increase my happiness by listening to my cries.** (*idam*) **This offering now belongs to** (*agnaye*) **Agni,** (*idan*) **it is** (*na*) **no longer** (*mama*) **mine**

ओं वायो प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपुत्र्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं वायवे इदन्न मम ॥१२॥

वायो प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपुत्र्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् वायवे इदम् न मम ॥

12. om vaayo praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa aputryaas-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idam vaayave idan-na mama

ओं चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपुत्र्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं चन्द्राय इदन्न मम ॥१३॥

चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपुत्र्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् चन्द्राय इदम् न मम ॥

13. om chandra praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa aputryaas-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idañ chandraaya idan-na mama

ओं सूर्य प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपुत्र्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं सूर्याय इदन्न मम ॥१४॥

सूर्य प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपुत्र्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् सूर्याय इदम् न मम ॥

14. om soorya praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa aputryaas-tanoos-taam-asyaa apajahi
svaahaa | idan sooryaaya idan-na mama

ओम् अग्निवायुचन्द्रसूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयं देवानां प्रायश्चित्तयः स्थ
ब्राह्मणो वो नाथकाम उपधावामि
यास्या अपुत्र्यास्तनूस्तामस्या अपहत स्वाहा ॥
इदमग्निवायुचन्द्रसूर्येभ्यः इदन्न मम ॥१५॥

अग्नि वायु चन्द्र सूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयम् देवानाम् प्रायश्चित्तयः स्थ ब्राह्मणः वः नाथकाम उप धावामि या अस्या अपुत्र्याः तनूः ताम् अस्या अपहत स्वाहा ॥ इदम् अग्नि वायु चन्द्र सूर्येभ्यः इदम् न मम ॥

15. om agni-vaayu-chandra-sooryaaḥ praayash-chittayo
yooyan devaanaam praayash-chittayaḥ stha
braahmaṇo vo naatha-kaama upa-dhaavaami
yaasyaa aputryaas-tanoos-taam-asyaa apahata svaahaa |
idam-agni-vaayu-chandra-sooryebhyaḥ idanna mama

ओम् अग्ने प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपसव्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदमग्नये इदन्न मम ॥१६॥

अग्ने प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपसव्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् अग्नये इदम् न मम ॥

हे (*प्रायश्चित्ते*) **चित्त शुद्ध करने वाले** (*अग्ने*) **अग्नि!** (*त्वम्*) **तू** (*देवानाम्*) **सब देवी देवताओं में से ऐसा देव है जो** (*प्रायश्चित्तिः*) **हमारे चित्त को शुद्ध** (*असि*) **कर देता है।** (*ब्राह्मणः*) **आत्म ज्ञान का** (*नाथकाम*) **प्यासा मैं** (*धावामि*) **भागकर** (*त्वा*) **तेरे** (*उप*) **पास आया हूँ ।** (*या*) **मेरी स्त्री** (*अस्या*) **के** (*तनूः*) **शरीर पर कोई भी** (*अपसव्याः*) **पति के प्रतिकूल होने का लक्षण हो तो** (*ताम्*) **उसे** (*अस्या*) **उससे** (*अपजहि*) **दूर कर दे।** (*स्वाहा*) **मेरी पुकार सुन मेरे सुखो को बढाईयें।** (*इदम्*) **यह आहुति अब** (*अग्नये*) **अग्नि की हुई** (*इदम्*) **इसमें** (*मम*) **मेरा कुछ शेष** (*न*) **नहीं रहा।**

16. om agne praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa apasavyaas-tanoos-taamasyaa apajahi
svaahaa | idam-agnaye idanna mama

O (*praayash*) **Cleanser of the** (*chitte*) **conscious! O** (*agne*) **Agni!** (*devaanaam*) **Out of all devatas** (*tvan*) **you are the one who** (*asi*) **can** (*praayash*) **cleanse our** (*chittir*) **conscious. I have** (*dhaavaami*) **come running** (*upa*) **to** (*tvaa*) **you due to my** (*naathakaama*) **thirst for** (*braahmaṇas*) **spiritual knowledge.** (*apajahi*) **Take away** (*taam*) **any** (*apasavyaas*) **signs of acting contrary to the husband** (*asyaa*) **that are on** (*ya asyaa*) **my wife's** (*tanoos*) **body. Please** (*svaahaa*) **increase my happiness by listening to my cries.** (*idam*) **This offering now belongs to** (*agnaye*) **Agni,** (*idan*) **it is** (*na*) **no longer** (*mama*) **mine**

ओं वायो प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपसव्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं वायवे इदन्न मम ॥१७॥

वायो प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपसव्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् वायवे इदम् न मम ॥

17. om vaayo praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa apasavyaas-tanoos-taamasyaa apajahi
svaahaa | idam vaayave idan-na mama

ओं चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपसव्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं चन्द्राय इदन्न मम ॥१८॥

चन्द्र प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपसव्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् चन्द्राय इदम् न मम ॥

18. om chandra praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa apasavyaas-tanoos-taamasyaa apajahi
svaahaa | idañ chandraaya idan-na mama

ओं सूर्य प्रायश्चित्ते त्वं देवानां प्रायश्चित्तिरसि
ब्राह्मणस्त्वा नाथकाम उपधावामि
यास्या अपसव्यास्तनूस्तामस्या अपजहि स्वाहा ॥
इदं सूर्याय इदन्न मम ॥१९॥

सूर्य प्रायश्चित्ते त्वम् देवानाम् प्रायश्चित्तिः असि ब्राह्मणः त्वा नाथकाम उप धावामि या अस्या अपसव्याः तनूः ताम् अस्या अपजहि स्वाहा ॥ इदम् सूर्याय इदम् न मम ॥

19. om soorya praayash-chitte tvan devaanaam praayash-chittirasi
braahmaṇas-tvaa naathakaama upa-dhaavaami
ya-asyaa apasavyaas-tanoos-taamasyaa apajahi
svaahaa | idan sooryaaya idan-na mama

ओम् अग्निवायुचन्द्रसूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयं देवानां प्रायश्चित्तयः स्थ
ब्राह्मणो वो नाथकाम उपधावामि
यास्या अपसव्यास्तनूस्तामस्या अपहत स्वाहा ॥
इदमग्निवायुचन्द्रसूर्येभ्यः इदन्न मम अपजहि स्वाहा ॥२०॥

अग्नि वायु चन्द्र सूर्याः प्रायश्चित्तयो यूयम् देवानाम् प्रायश्चित्तयः स्थ ब्राह्मणः वः नाथकाम उप धावामि या अस्या अपसव्याः तनूः ताम् अस्या अपहत स्वाहा ॥ इदम् अग्नि वायु चन्द्र सूर्येभ्यः इदम् न मम ॥

20. om agni-vaayu-chandra-sooryaaḥ praayash-chittayo
yooyan devaanaam praayash-chittayaḥ stha
braahmaṇo vo naatha-kaama upa-dhaavaami
ya-asyaa apasavyaas-tanoos-taam-asyaa apahata svaahaa |
idam-agni-vaayu-chandra-sooryebhyaḥ idan-na mama

भात में घी मिलाकर आहुतियाँ दे

Oblations with cooked rice mixed with ghee

ओम् अग्नये पवमानाय स्वाहा ॥ इदमग्नये पवमानाय इदन्न मम ॥१॥

1. om agnaye pavamaanaaya svaahaa |
idam-agnaye pavamaanaaya idan-na mama

ओम् अग्नये पावकाय स्वाहा ॥ इदमग्नये पावकाय इदन्न मम ॥२॥

2. om agnaye paavakaaya svaahaa |
idam-agnaye paavakaaya idan-na mama

ओम् अग्नये शुचये स्वाहा ॥ इदमग्नये शुचये इदन्न मम ॥३॥

3. om agnaye shuchaye svaahaa |
idam-agnaye shuchaye idan-na mama

ओम् अदित्यै स्वाहा ॥ इदमदित्यै इदन्न मम ॥४॥

4. om adityai svaahaa |
idam-adityai idan-na mama

ओं प्रजापतये स्वाहा ॥ इदं प्रजापतये इदन्न मम ॥५॥

5. om prajaapataye svaahaa |
idam prajaapataye idan-na mama

ओं यदस्य कर्मणोऽत्यरीरिचं यद्वा न्यूनमिहाकरम् ।
अग्निष्टत्स्विष्टकृद्विद्यात् सर्वं स्विष्टं सुहुतं करोतु मे ।
अग्नये स्विष्टकृते सुहुतहुते सर्वप्रायश्चित्ताहुतीनां कामानां समर्द्धयित्रे
सर्वान्नः कामान्त्समर्द्धय स्वाहा ॥ इदम् अग्नये स्विष्टकृते इदं न मम ॥६॥

यत् अस्य कर्मणः अति अरीरिचम् यत् वा न्यूनम् इह अकरम् । अग्निः तत् सु इष्ट कृत् विद्यात् सर्वम् सु इष्टम् सुहुतम् करोतु मे । अग्नये सु इष्ट कृते सुहुतहुते सर्वप्रायश्चित्त आहुतीनाम् कामानाम् समर्द्धयित्रे सर्वान् नः कामान् समर्द्धय स्वाहा ॥ इदम् अग्नये सु इष्ट कृते इदम् न मम ॥

(*अग्निः*) **हे अग्नि!** (*अस्य*) **यह** (*कर्मणः*) **कर्म** (*यत्*) **जो** (*अरीरिचम्*) **अज्ञान के वश में** (*अति*) **अधिक किए गए** (*वा*) **और वह भी** (*यत्*) **जो** (*इह*) **यहाँ** (*न्यूनम्*) **कम प्रयास के कारण** (*अकरम्*) **अपूर्ण रह गए हैं** (*तत्*) **उन** (*सर्वम्*) **सभी आहुतियों को** (*सु*) **अच्छी** (*इष्ट*) **भावना से** (*कृत्*) **की गई** (*सुहुतम्*) **आहुतियाँ** (*विद्यात्*) **जानकर** (*मे*) **मेरे** (*सु*) **उत्तम** (*इष्टम्*) **मनोरथ को सफल** (*करोतु*) **किजिए। हे** (*सु*) **उत्तम** (*इष्ट*) **मनोरथ को** (*कृते*) **सिद्ध करने वाली,** (*कामानाम्*) **कामनाओं की** (*समर्द्धयित्रे*) **पूर्ति करने वाली** (*अग्नये*) **अग्नि !** (*प्रायश्चित्त*) **प्रायश्चित स्वरूप की गई इन** (*सर्व*) **सभी** (*आहुतीनाम्*) **आहुतियों को** (*सुहुतहुते*) **शुभ कर** (*नः*) **मेरे** (*सर्वान्*) **सभी** (*कामान्*) **मनोरथ** (*समर्द्धय*) **पूर्ण किजिए ।** (*स्वाहा*) **मेरी पुकार स्वीकार कर मेरे सुखों को बढाईये।** (*इदम्*) **यह आहुति** (*सु*) **उत्तम** (*इष्ट*) **मनोरथ सिद्ध** (*कृते*) **करने वाली** (*अग्नये*) **अग्नि की हुई** (*इदम्*) **इसमे** (*मम*) **मेरा कुछ** (*न*) **नहीं रहा ।**

6. om yad-asya karmaṇo'ty-areerichañ
yadvaa nyoonam-iha-akaram
agniṣh-ṭat-sviṣhṭa-kṛid-vidyaat sarvan
sviṣhṭan suhutaṅ karotu me
agnaye sviṣhṭa-kṛite suhutahute sarva
praayashchitt-aahuteenaaṅ kaamaanaan samarddhayitre
sarvaannaḥ kaamaant-samarddhaya
svaahaa | idam agnaye sviṣhṭa-kṛite idan na mama

(*agniṣh*) **O Agni!** (*asya*) **Those** (*karmaṇo*) **actions** (*yad*) **that have been performed in** (*aty*) **excess due to** (*areerichañ*) **ignorance** (*vaa*) **and** (*iha*) **those as well** (*yad*) **that remain** (*akaram*) **incomplete due to** (*nyoonam*) **lack of effort, please** (*vidyaat*) **consider** (*sarvan*) **all of** (*ṭat*) **those as** (*suhutaṅ*) **good offerings** (*kṛid*) **performed with** (*sv*) **noble** (*iṣhṭa*) **intentions and** (*karotu*) **fulfill** (*me*) **my** (*sv*) **benevolent** (*iṣhṭan*) **desires. O** (*kṛite*) **fulfiller of** (*sv*) **benevolent** (*iṣhṭa*) **desires! O one who makes** (*kaamaanaan*) **wishes** (*samarddhayitre*) **succeed! O** (*agnaye*) **Agni! Please treat** (*sarva*) **all of these** (*aahuteenaaṅ*) **offerings made as a** (*praayashchitt*) **penance,** (*suhutahute*) **auspicious and** (*samarddhaya*) **fulfill** (*sarvaannaḥ*) **all of my** (*kaamaant*) **desires. Please** (*svaahaa*) **increase my happiness by listening to my cries.** (*idam*) **This offering now belongs to** (*agnaye*) **Agni who is the** (*kṛite*) **fulfiller of** (*sv*) **benevolent** (*iṣhṭa*) **desires,** (*idan*) **it is** (*na*) **no longer** (*mama*) **mine.**

घी की आहुतियाँ दे

Oblations with ghee

ओं विष्णुर्योनिं कल्पयतु त्वष्टा रूपाणि पिंशतु ।
आ सिञ्चतु प्रजापतिर्धाता गर्भं दधातु ते स्वाहा ॥१॥ ऋग् १०:१८४:१

विष्णुः योनिम् कल्पयतु त्वष्टा रूपाणि पिंशतु ।
आ सिञ्चतु प्रजाऽपतिः धाता गर्भम् दधातु ते ॥

(*विष्णुः*) **सबका पालन करने वाला परमात्मा** (*योनिम्*) **स्त्री के गर्भाशय को** (*कल्पयतु*) **विकसित करे ।** (*त्वष्टा*) **रचने वाला परमात्मा गर्भस्थ बालक के** (*रूपाणि*) **अलग अलग**

अंगों को (*पिंशतु*) **पृथक रूप दे ।** (*प्रजाऽपतिः*) **सब प्राणियों का स्वामी** (*आ सिञ्चतु*) **गर्भ को सींचे ।** (*धाता*) **विश्व को धारण करने वाला** (*ते*) **तेरे** (*गर्भम्*) **गर्भ को** (*दधातु*) **पुष्ट व स्थिर रखे।**

1. Om viṣhṇur-yoniṅ kalpayatu tvaṣhṭaa roopaaṇi piñshatu
aa siñchatu prajaapatir-dhaataa garbhan dadhaatu te svaahaa

Ṛig 10:184:1

May (*viṣhṇur*) **the Sustainer of living beings** (*kalpayatu*) **strengthen** (*yoniṅ*) **woman's reproductive organs! May** (*tvaṣhṭaa*) **the Sculptor of universe provide** (*piñshatu*) **distinctive qualities to the fetus'** (*roopaaṇi*) **various organs! May** (*prajaapatir*) **the Lord of all creations** (*aa siñchatu*) **nourishes the fetus! May** (*dhaataa*) **the Support of the universe,** (*dadhaatu*) **support** (*te*) **your** (*garbhan*) **womb and fetus.**

ओं गर्भं धेहि सिनीवालि गर्भं धेहि सरस्वति ।
गर्भं ते अश्विनौ देवावा धत्तां पुष्करस्रजा स्वाहा ॥२॥ ऋग् १०:१८४:२

गर्भम् धेहि सिनीवालि गर्भम् धेहि सरस्वति ।
गर्भम् ते अश्विनौ देवौ आ धत्ताम् पुष्करऽस्रजा ॥

हे (*सरस्वति*) **सरस्वती स्वरूप** (*सिनीवालि*) **अन्नपूर्णा स्त्री !** (*गर्भम्*) **गर्भ** (*धेहि*) **धारण कर।** (*अश्विनौ देवौ*) **सूर्य व चन्द्रमा का** (*पुष्करऽस्रजा*) **प्रचुर प्रकाश** (*ते*) **तेरे** (*गर्भम्*) **गर्भ को** (*आ धत्ताम्*) **पुष्ट रखे । ।**

2. Om garbhan dhehi sineevaali garbhan dhehi sarasvati
garbhan te ashvinau devaavaa dhattaam puṣhkarasrajaa
svaahaa Ṛig 10:184:2

O Woman, (*sineevaali*) **nourisher of the household and the living image of** (*sarasvati*) **Goddess Sarasvatee! May you** (*dhehi*) **become** (*garbhan*) **pregnant! May** (*puṣhkarasrajaa*) **the abundant rays of light from the** (*devaav*) **twin lords of the skies i.e.** (*ashvinau*) **the Sun and the Moon** (*aa dhattaam*) **nourish** (*te*) **your** (*garbhan*) **fetus!**

ओं हिरण्ययी अरणी यं निर्मन्थतो अश्विना ।
तं ते गर्भं हवामहे दशमे मासि सूतवे स्वाहा ॥३॥ ऋग् १०:१८४:३

हिरण्ययी इति अरणी इति यम् निःमन्थतः अश्विना । तम् ते गर्भम् हवामहे दशमे मासि सूतवे ॥

(*यम्*) **जैसे दो** (*अरणी*) **अरणियों के** (*निःमन्थतः*) **घर्षण से** (*हिरण्ययी*) **सुनहरी अग्नि प्रकट होती है** (*तम्*) **वैसे ही** (*अश्विना*) **सूर्य के समान पुरुष के वीर्य और चन्द्र के समान स्त्री के रज के मिलन से गर्भ उत्पन्न होता है।** (*ते*) **तेरे उस** (*गर्भम्*) **गर्भ को** (*दशमे*) **दसवें** (*मासि*) **मास में** (*सूतवे*) **प्रसव से बाहर आने का** (*हवामहे*) **आहवान करते हैं।**

3. Om hiraṇyayee araṇee yan nirmanthato ashvinaa
tan te garbhaṅ havaamahe dashame maasi sootave svaahaa

Ṛig 10:184:3

(*yan*) **As two** (*araṇee*) **fire sticks when** (*nirmanthato*) **rubbed together produce** (*hiraṇyayee*) **golden and radiant fire,** (*tan*) **similarly the interaction between** (*ashvinaa*) **male and female produce a fetus. We pray that** (*te*) **your** (*garbhaṅ*) **fetus attain fullness in** (*dashame*) **ten** (*maasi*) **months and** (*havaamahe*) **invite your child into this world via** (*sootave*) **labor.**

ओं रेतो मूत्रं वि जहाति योनिं प्रविशदिन्द्रियम् ।
गर्भोजरायुणावृत उल्वं जहाति जन्मना । ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपानꣳ
शुक्रमन्धस इन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतं मधु स्वाहा ॥४॥ यजुः १९:७६

रेतः मूत्रम् वि जहाति योनिम् प्रविशदिति प्रऽविशत् इन्द्रियम् । गर्भः जरायुणा आवृत इतयाऽवृतः उल्वम् जहाति जन्मना । ऋतेन सत्यम् इन्द्रियम् विपानमिति विऽपानम् शुक्रम् अन्धसः इन्द्रस्य इन्द्रियम् इदम् पयः अमृतम् मधु ॥

गर्भोत्पत्ति के लिए (*इन्द्रियम्*) **पुरुष का इन्द्रिय** (*योनिम्*) **स्त्री की योनि में** (*प्रऽविशत्*) **प्रवेश कर** (*रेतः*) **वीर्य को** (*वि*) **अलग** (*जहाति*) **छोड कर** (*मूत्रम्*) **सींचता है।** (*इदम्*) **यहाँ प्रजनन द्वारा** (*अन्धसः*) **अन्धकार से** (*वि*) **छूट कर वीर्य,** (*पयः*) **रस के तुल्य** (*शुक्रम्*) **पवित्र व** (*अमृतम्*) **नाशरहित** (*मधु*) **ज्ञान के रस** (*पानम्*) **चखने वाली** (*इन्द्रियम्*) **इन्द्रियों मे विकसित होता है। वह** (*गर्भः*) **गर्भ एक** (*जरायुणा*) **झिल्ली से** (*आऽवृतः*) **ढका हुआ होता है और बाद में इस** (*उल्वम्*) **मोटे आवरण को** (*जहाति*) **छोड** (*जन्मना*) **जन्म लेता है। गर्भाधान करने वाले स्त्री पुरुष के लिए निर्देश है कि वासना की भावना से दूर उनके** (*इन्द्रियम्*) **जनेन्द्रिय** (*ऋतेन*) **रोग मुक्त व** (*सत्यम्*) **पाप रहित हो और उनमें सन्तान के भरण पोषण का** (*इन्द्रस्य*) **सामर्थ्य हो।**

4. om reto mootram vi jahaati yonim pravishadindriyam garbhojaraayuṇaavṛita ulvañ jahaati janmanaa ṛitena satyamindriyam vipaanaṃ shukramandhasa indrasyendriyamidam payo'mṛitam madhu svaahaa Yajur 19:76

During the act of procreation, (*indriyam*) **male reproductive organ** (*pravishad*) **enters** (*yonim*) **the female reproductive organ where it** (*vi jahaati*) **discharges and** (*mootram*) **sprays** (*reto*) **the semen.** (*idam*) **Here, the sperm after its** (*vi*) **release from** (*andhasa*) **the darkness, shall develop** (*endriyam*) **the sensory organs that are responsible for** (*paanaṃ*) **the drinking of the** (*payo madhu*) **nectar of** (*shukram*) **pure and** (*amṛitam*) **everlasting knowledge. This** (*garbho*) **fetus is** (*aavṛita*) **covered with a protective** (*jaraayuṇ*) **membrane and later it** (*jahaati*) **sheds this** (*ulvañ*) **thick covering and is** (*janmanaa*) **born into this World. Male and female should procreate without lust and only when their** (*indriyam*) **reproductive organs are** (*ṛitena*) **healthy and** (*satyam*) **free from sinful behavior and when they have** (*indrasy*) **the means to raise a child.**

ओं यत्ते सुसीमे हृदयं दिवि चन्द्रमसि श्रितम् । वेदाहं तन्मां तद्विद्यात् ॥

पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शत ँ शृणुयाम शरदः शतं प्र ब्रवाम शरदः शतमदीनाः स्याम शरदः शतं भूयश्च शरदः शतात् स्वाहा ॥५॥

यत् ते सुसीमे हृदयम् दिवि चन्द्रम् असि श्रितम् । वेद अहम् तत् माम् तत् विद्यात् ॥ पश्येम शरदः शतम् जीवेम शरदः शतम् शृणुयाम शरदः शतम् प्र ब्रवाम शरदः शतम् अदीनाः स्याम शरदः शतम् भूयः च शरदः शतात् ॥

हे (*सुसीमे*) **सुन्दर केशों वाली!** (*ते*) **तेरा** (*यत्*) **जो** (*हृदयम्*) **हृदय** (*चन्द्रम्*) **चन्द्रमा की** (*दिवि*) **किरणों** (*असि*) **के समान** (*श्रितम्*) **आनन्दित हो रहा है,** (*तत्*) **वह** (*अहम्*) **मुझे** (*वेद*) **पता है। तू भी** (*विद्यात्*) **जान** (*तत्*) **कि** (*माम्*) **मैं भी वैसे ही आनन्दित हूँ। हम दोनों** (*शतम्*) **सौ** (*शरदः*) **वर्ष तक एक दूसरे को प्रेमपूर्वक** (*पश्येम*) **देखें,** (*शतम्*) **सौ** (*शरदः*) **वर्ष तक साथ साथ सुखपूर्वक** (*जीवेम*) **जीवन बिताएँ,** (*शतम्*) **सौ** (*शरदः*) **वर्षों तक धैर्य से एक दूसरे की** (*शृणुयाम*) **मधुर बातें सुने,** (*शतम्*) **सौ** (*शरदः*) **वर्षों तक प्रेमपूर्वक एक दूसरे से** (*प्र ब्रवाम*)

बोले, (*शतम्*) **सौ** (*शरदः*) **वर्षों तक साथ साथ** (*अदीनाः*) **सक्षम** (*स्याम*) **रहें,** (*च*) **और** (*शतात्*) **सौ** (*शरदः*) **वर्षों के उपरान्त भी** (*भूयः*) **ऐसा ही हो।**

5. om yat-te suseeme hṛidayan divi chandram-asi shritam
veda-ahan tan-maan tad-vidyaat
pashyema sharadaḥ shatañ
jeevema sharadaḥ shataṃ
shṛiṇuyaama sharadaḥ shatam
pra bravaama sharadaḥ shatam
adeenaaḥ syaama sharadaḥ shatam
bhooyash-cha sharadaḥ shataat svaahaa

O my bride! O (*suseeme*) **the one with beautiful hairs!** (*ahan*) **I am** (*veda*) **aware** (*tan*) **that** (*te*) **your** (*hṛidayan*) **heart is** (*shritam*) **happily dancing like** (*asi*) **this** (*chandram*) **moon** (*divi*) **light. Please** (*vidyaat*) **know** (*tad*) **that** (*maan*) **I am equally happy as well. May we lovingly** (*pashyema*) **look at each other for** (*shatañ*) **one hundred** (*sharadaḥ*) **years! May we happily** (*jeevema*) **live together for** (*shataṃ*) **one hundred** (*sharadaḥ*) **years! May we patiently** (*shṛiṇuyaama*) **listen to each other for** (*shatam*) **one hundred** (*sharadaḥ*) **years! May we** (*pra bravaama*) **talk sweetly to each other for** (*shatam*) **one hundred** (*sharadaḥ*) **years! May together we** (*syaama*) **remain** (*adeenaaḥ*) **independent for** (*shatam*) **one hundred** (*sharadaḥ*) **years!** (*cha*) **And may this** (*bhooyash*) **happen even if we live beyond** (*shataat*) **one hundred** (*sharadaḥ*) **years!**

ओं यथेयं पृथिवी मही भूतानां गर्भमादधे ।
एवा ते ध्रियतां गर्भो अनु सूतुं सवितवे स्वाहा ॥६॥ अथर्व ६:१७:१

यथा इयम् पृथिवी मही भूतानाम् गर्भम् आदधे । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥

(*यथा*) **जैसे** (*इयम्*) **यह** (*मही*) **महान** (*पृथिवी*) **पृथ्वी सभी** (*भूतानाम्*) **प्राणियों को अपने** (*गर्भम्*) **गर्भ में** (*आदधे*) **धारण करती है** (*एवा*) **वैसे ही** (*ते*) **तेरा** (*गर्भः*) **गर्भ भी** (*ध्रियताम्*) **स्थिर हो और** (*सूतुम्*) **सूतक की विधि के** (*अनु*) **अनुसार** (*सवितवे*) **जन्म ले।**

6. om yath-eyam pṛithivee mahee bhootaanaaṅ garbham-aadadhe
evaa te dhriyataaṅ garbho anu sootun savitave svaahaa

Atharva 6:17:1

(*yath*) **As** (*eyam*) **this** (*mahee*) **great** (*pṛithivee*) **earth** (*aadadhe*) **holds and nourishes all** (*bhootaanaaṅ*) **living beings in its** (*garbham*) **womb,** (*evaa*) **similarly may** (*te*) **your** (*garbho*) **pregnancy be** (*dhriyataaṅ*) **stable and may your child be** (*savitave*) **born** (*anu*) **as per the normal procedures of the** (*sootun*) **labor.**

ओं यथेयं पृथिवी मही दाधारेमान् वनस्पतीन् ।
एवा ते ध्रियतां गर्भो अनु सूतुं सवितवे स्वाहा ॥७॥ अथर्व ६:१७:२

यथा इयम् पृथिवी मही दाधार इमान् वनस्पतीन् । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥

(*यथा*) **जैसे** (*इयम्*) **यह** (*मही*) **महान** (*पृथिवी*) **पृथ्वी** (*इमान्*) **इन सभी** (*वनस्पतीन्*) **वनस्पतियों को अपने गर्भ में** (*दाधार*) **धारण करती है** (*एवा*) **वैसे ही** (*ते*) **तेरा** (*गर्भः*) **गर्भ भी** (*ध्रियताम्*) **स्थिर हो और** (*सूतुम्*) **सूतक की विधि के** (*अनु*) **अनुसार** (*सवितवे*) **जन्म ले।**

7. om yath-eyam pṛithivee mahee daadhaar-emaan vanaspateen
evaa te dhriyataaṅ garbho anu sootun savitave svaahaa

Atharva 6:17:2

(*yath*) **As** (*eyam*) **this** (*mahee*) **great** (*pṛithivee*) **earth** (*daadhaar*) **holds and nourishes all of** (*emaan*) **these** (*vanaspateen*) **plants and trees in its womb,** (*evaa*) **similarly may** (*te*) **your** (*garbho*) **pregnancy be** (*dhriyataaṅ*) **stable and may your child be** (*savitave*) **born** (*anu*) **as per the normal procedures of the** (*sootun*) **labor.**

ओं यथेयं पृथिवी मही दाधार पर्वतान् गिरीन् ।
एवा ते ध्रियतां गर्भो अनु सूतुं सवितवे स्वाहा ॥८॥ अथर्व ६:१७:३

यथा इयम् पृथिवी मही दाधार पर्वतान् गिरीन् । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥

(*यथा*) **जैसे** (*इयम्*) **यह** (*मही*) **महान** (*पृथिवी*) **पृथ्वी** (*पर्वतान्*) **पर्वतों और** (*गिरीन्*) **शिखरों को अपने गर्भ में** (*दाधार*) **धारण करती है** (*एवा*) **वैसे ही** (*ते*) **तेरा** (*गर्भः*) **गर्भ भी** (*ध्रियताम्*) **स्थिर हो और** (*सूतुम्*) **सूतक की विधि के** (*अनु*) **अनुसार** (*सवितवे*) **जन्म ले।**

8. om yatheyam pṛithivee mahee daadhaara parvataan gireen
evaa te dhriyataaṅ garbho anu sootun savitave svaahaa

Atharva 6:17:3

(*yath*) **As** (*eyam*) **this** (*mahee*) **great** (*pṛithivee*) **earth** (*daadhaar*) **holds all of** (*parvataan*) **the hills and** (*gireen*) **mountain ranges in its womb,** (*evaa*) **similarly may** (*te*) **your** (*garbho*) **pregnancy be** (*dhriyataaṅ*) **stable and may your child be** (*savitave*) **born** (*anu*) **as per the normal procedures of the** (*sootun*) **labor.**

ओं यथेयं पृथिवी मही दाधार विष्ठितं जगत् ।
एवा ते ध्रियतां गर्भो अनु सूतुं सवितवे स्वाहा ॥९॥ अथर्व ६:१७:४

यथा इयम् पृथिवी मही दाधार विष्ठितम् जगत् । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥

(*यथा*) **जैसे** (*इयम्*) **यह** (*मही*) **महान** (*पृथिवी*) **पृथ्वी** (*विष्ठितम्*) **भाँति भाँति की** (*जगत्*) **चल अचल वस्तुओं को अपने गर्भ में** (*दाधार*) **धारण करती है** (*एवा*) **वैसे ही** (*ते*) **तेरा** (*गर्भः*) **गर्भ भी** (*ध्रियताम्*) **स्थिर हो और** (*सूतुम्*) **सूतक की विधि के** (*अनु*) **अनुसार** (*सवितवे*) **जन्म ले।**

9. om yatheyam pṛ ithivee mahee daadhaara viṣhṭhitañ jagat
evaa te dhriyataaṅ garbho anu sootun savitave svaahaa

Atharva 6:17:4

(*yath*) **As** (*eyam*) **this** (*mahee*) **great** (*pṛithivee*) **earth** (*daadhaar*) **holds all of** (*viṣhṭhitañ*) **kind of** (*jagat*) **living and non-living things in its womb,** (*evaa*) **similarly may** (*te*) **your** (*garbho*) **pregnancy be** (*dhriyataaṅ*) **stable and may your child be** (*savitave*) **born** (*anu*) **as per the normal procedures of the** (*sootun*) **labor.**

ओं भूरग्नये स्वाहा ॥ इदमग्नये इदं न मम ॥१॥

भूः अग्नये स्वाहा ॥ इदम् अग्नये इदम् न मम ॥

(*भूः*) **पालन करने वाली** (*अग्नये*) **अग्नि (ऊर्जा) हमारे साथ सदैव रहे ।**

1. om bhoor-agnaye svaahaa | idam agnaye idan na mama

May (*agnaye*) **Agni (energy)** (*bhoor*) **the sustainer of life, always be with us.**

ओं भुवर्वायवे स्वाहा ॥ इदं वायवे इदं न मम ॥२॥

भुवः वायवे स्वाहा ॥ इदम् वायवे इदम् न मम ॥

(*भुवः*) **दुःखहर्ता** (*वायवे*) **वायु हमारे साथ सदैव रहे ।**

2. om bhuvar-vaayave svaahaa | idam vaayave idan na mama

May (*vaayave*) **air** (*bhuvar*) **the remover of sorrows, always be with us.**

ओं स्वरादित्याय स्वाहा ॥ इदं आदित्याय इदं न मम ॥३॥

स्वः आदित्याय स्वाहा ॥ इदम् आदित्याय इदम् न मम ॥

(*स्वः*) **सुखकर्ता** (*आदित्याय*) **सूर्य का ज्ञान रूपी प्रकाश हमारे साथ सदैव रहे ।**

3. om svar-aadityaaya svaahaa | idam aadityaaya idan na mama

May the (*aadityaaya*) **sunlight** (*svar*) **the giver of happiness, always be with us.**

ओं भूर्भुवः स्वरग्निवाय्वादितेभ्यः स्वाहा ॥ इदं अग्निवाय्वादितेभ्यः इदं न मम ॥४॥

भूः भुवः स्वः अग्नि वाय्वा आदितेभ्यः स्वाहा ॥ इदम् अग्नि वाय्वा आदितेभ्यः इदम् न मम ॥

(*भूः*) **पालन करने वाली** (*अग्नि*) **अग्नि,** (*भुवः*) **दुःखहर्ता** (*वाय्वा*) **वायु,** (*स्वः*) **सुखकर्ता** (*आदितेभ्यः*) **सूर्य का ज्ञान रूपी प्रकाश, यह तीनों समान रूप से हमारे साथ सदैव रहे ।**

4. om bhoor-bhuvaḥ svar-agni-vaayv-aaditebhyaḥ svaahaa |
idam agni-vaayv-aaditebhyaḥ idan na mama

May (*agni*) **Agni (energy)** (*bhoor*) **the sustainer of life,** (*vaayv*) **air** (*bhuvaḥ*) **the remover of sorrows and the** (*aaditebhyaḥ*) **sunlight** (*svar*) **the giver of happiness, be equally with us all the time.**

ओम् अयास्यग्नेर्वषट्कृतं यत्कर्मणोऽत्यरीरिचं देवा गातुविदः स्वाहा ॥ इदं देवेभ्यो गातुविद्भ्यः इदन्न मम ॥१॥

अय असि अग्नेः वषट् कृतम् यत् कर्मणः अति अरीरिचम् देवाः गातुविदः स्वाहा ॥ इदम् देवेभ्यो गातुविद्भ्यः इदम् न मम ॥

हे (*अग्नेः*) **अग्नि!** (*असि*) **तू** (*अय*) **बहुत जल्दी फैलती है ।** (*अति*) **अत्याधिक** (*अरीरिचम्*) **अज्ञान के वशीभूत** (*कर्मणः*) **कर्म कर हम** (*यत्*) **ये** (*वषट्*) **आहुति** (*कृतम्*) **दे रहे हैं, इसको** (*गातु*) **गायन विद्या की** (*विदः*) **जानकारी रखने वाले** (*देवाः*) **विद्वान सही कर दें।** (*स्वाहा*) **मेरी पुकार को सुन मेरे सुखों को बढाईयें।** (*इदम्*) **यह आहुति** (*गातुविद्भ्यः*) **गायक** (*देवेभ्यो*) **विद्वानों के लिए है** (*इदम्*) **इसमे** (*मम*) **मेरा कुछ शेष** (*न*) **नहीं।**

1. om aya-asy-agner-vaṣhaṭ-kṛitañ
yat-karmaṇo'ty-areerichan devaa gaatu-vidaḥ
svaahaa | idan devebhyo gaatu-vidbhyaḥ idan-na mama

O (*agner*) **Agni!** (*asy*) **You** (*aya*) **move fast. We are** (*karmaṇo*) **acting under** (*aty*) **extreme** (*areerichan*) **ignorance and** (*kṛitañ*) **making** (*yat*) **these** (*vaṣhaṭ*) **offerings. May the** (*devaa*) **scholars** (*vidaḥ*) **well versed in** (*gaatu*) **the art of singing correct our mistakes. Please** (*svaahaa*) **increase my happiness by listening to my cries.**

(*idan*) **This offering now belongs to** (*devebhyo*) **scholars** (*gaatu-vidbhyaḥ*) **versed in the art of singing,** (*idan*) **it is** (*na*) **no longer** (*mama*) **mine**

ओं प्रजापतये स्वाहा ॥ इदं प्रजापतये इदन्न मम ॥२॥

प्रजा पतये स्वाहा ॥ इदम् प्रजा पतये इदम् न मम ॥

(*प्रजा*) **सब प्राणियों का** (*पतये*) **स्वामी हमारे सुखों को बढाए।**

2. om prajaapataye svaahaa | idam prajaapataye idan-na mama

May (*pataye*) **the lord of** (*prajaa*) **all beings increase our happiness.**

इसके बाद में स्त्री घी की आहुतियों के बाद छोडे गए घी को स्नानागार मे लेजाकर अपने पूरे शरीर पर मले। फिर स्नान कर स्वच्छ कपडे पहन वापस हवन वेदी पर आ जाए। फिर पति पत्नि यज्ञकुण्ड की प्रदक्षिणा कर निम्न ६ मन्त्रों के साथ सूर्य को देखें।

After this the lady should take the ghee saved after oblations, as described in the beginning, to the bathroom and should rub it on her entire body. Then she should take a bath and wear fresh clothes and come back to the havan vedee. The couple should now circumambulate around the fire and then view the sun while chanting following 6 mantras.

ओम् आदित्यं गर्भं पयसा समङ्धि सहस्रस्य प्रतिमां विश्वरूपम् ।

परिवृङ्धि हरसा माभिम॑स्थाः शतायुषं कृणुहि चीयमानः ॥१॥ यजुः १३:४१

आदित्यम् गर्भम् पयसा सम् अङ्धि सहस्रस्य प्रतिमामिति प्रतिऽमाम् विश्वरूपमिति विश्वऽरूपम् । परि वृङ्धि हरसा मा अभि म॑स्थाः शतायुषमिति शतऽआयुषम् कृणुहि चीयमानः ॥

हे परम पिता परमेश्वर! इस (*विश्व*) **विश्व के** (*सहस्रस्य*) **असंख्य** (*रूपम्*) **पदार्थों में** (*प्रतिऽमाम्*) **उपस्थित आप, हमारे** (*गर्भम्*) **गर्भस्थ शिशु को** (*पयसा*) **उत्तम पदार्थों** (*सम् अङ्धि*) **से पुष्ट कर,** (*हरसा*) **रोगों के** (*परि*) **प्रभाव से** (*वृङ्धि*) **बचाकर** (*आदित्यम्*) **सूर्य के समान तेजस्वी** (*कृणुहि*) **बनाईये। विद्या और शारीरिक बल में** (*चीयमानः*) **वृद्धि करता हुआ वह** (*शत*) **सौ वर्ष की** (*आयुषम्*) **आयु पाए । आप इस पर से कभी भी अपनी कृपा दृष्टि** (*मा*) **न** (*अभि म॑स्थाः*) **हटाए।**

1. om aadityaṅ garbham payasaa sam-aṅdhi
sahasrasya pratimaam vishva-roopam
pari-vṛiṅdhi harasaa ma-abhi-maṃsthaaḥ
shat-aayuṣhaṅ kṛiṇuhi cheeyamaanaḥ Yajur 13:41

O Supreme Being! With your (*pratimaam*) **presence in the** (*sahasrasya*) **innumerable** (*roopam*) **things in this** (*vishva*) **World, please** (*sam aṅdhi*) **nourish our child during the** (*garbham*) **embryonic stage and even after he/she is born, with** (*payasaa*) **the best nourishments;** (*vṛiṅdhi*) **save him/her from any** (*pari*) **effects of** (*harasaa*) **ailments and** (*kṛiṇuhi*) **make him/her as radiant as** (*aadityaṅ*) **the Sun. May the child** (*cheeyamaanaḥ*) **continuously increase his/her knowledge and strength and attain** (*aayuṣhaṅ*) **a life span of** (*shat*) **one hundres years. Please** (*ma*) **never** (*abhi maṃsthaaḥ*) **take you favors away from him/her.**

ओं सूर्योनो दिवस्पातु वातो अन्तरिक्षात् ।
अग्निर्नः पार्थिवेभ्यः ॥२॥ ऋग् १०:१५८:१

सूर्यः नः दिवः पातु वातः अन्तरिक्षात् । अग्निः नः पार्थिवेभ्यः ॥

तीनों लोकों के देवता क्रमशः (*दिवः*) **द्युलोक का देवता** (*सूर्यः*) **सूर्य,** (*अन्तरिक्षात्*) **अन्तरिक्ष का देवता** (*वातः*) **वायु और** (*पार्थिवेभ्यः*) **पृथ्वी का देवता** (*अग्निः*) **अग्नि** (*नः*) **हमारी वहाँ के पदार्थों से** (*पातु*) **रक्षा करें।**

2. om sooryono divaspaatu vaato antarikṣhaat
agnirnaḥ paarthivebhyaḥ Ṛig 10:158:1

The divine powers of the three realms of the Universe, i.e. (*sooryo*) **Sun, the lord of** (*divas*) **celestial realm,** (*agnir*) **Fire, the lord of the** (*paarthivebhyaḥ*) **earth, and** (*vaato*) **Air, the lord of the** (*antarikṣhaat*) **space there between,** (*paatu*) **protect** (*naḥ*) **us from non-conducive things from their respective realms.**

ओं जोषा सवितर्यस्य ते हरः शतं सवाँ अर्हति ।
पाहि नो दिद्युतः पतन्त्याः ॥३॥ ऋग् १०:१५८:२

जोष सवितः यस्य ते हरः शतम् सवान् अर्हति । पाहि नः दिद्युतः पतन्त्याः ॥

हे (*स॒वि॒तः॒*) **सृष्टि के रचयिता!** (*यस्य॑*) **जैसे** (*ते*) **तेरा** (*हरः॑*) **तेज** (*श॒तम्*) **बहुतेरे** (*स॒वान्*) **सूर्य चन्द्र आदि को** (*अर्हति*) **वश मे कर सकता है वैसे ही हमारी** (*जोष॑*) **प्रार्थना सुन कर** (*पत॑न्त्याः*) **गिरती हुई** (*दि॒द्युतः॒*) **बिजली से** (*नः॒*) **हमारी** (*पा॒हि*) **रक्षा करो ।**

3. om joṣhaa savitaryasya te haraḥ shatan savaaṃ arhati
paahi no didyutaḥ patantyaaḥ Ṛig 10:158:2

O (*savitar*) **Creator!** (*yasya*) **As** (*te*) **your** (*haraḥ*) **brilliance can** (*arhati*) **control and outshine the lights from** (*shatan*) **numerous** (*savaaṃ*) **suns and moons, similarly** (*joṣhaa*) **heed to our prayers and** (*paahi*) **protect** (*no*) **us** (*patantyaaḥ*) **falling** (*didyutaḥ*) **thunderbolts.**

ओं चक्षु॑र्नो दे॒वः स॑वि॒ता चक्षु॑र्न उ॒त पर्व॑तः ।
चक्षु॑र्धा॒ता द॑धातु नः ॥४॥ ऋग् १०:१५८:३

चक्षुः॑ नः॒ दे॒वः स॑वि॒ता चक्षुः॑ नः॒ उ॒त पर्व॑तः । चक्षुः॑ धा॒ता द॒धा॒तु॒ नः॒ ॥

(*स॑वि॒ता*) **सूर्य** (*दे॒वः*) **देव का प्रकाश** (*नः॒*) **हमें** (*चक्षुः॑*) **देखने में सहायता करे,** (*उ॒त*) **ये हरे भरे** (*पर्वतः*) **पर्वत** (*नः॒*) **हमारी** (*चक्षुः॑*) **आँखों की ज्योति बढाये, वह** (*धा॒ता*) **परमात्मा भी** (*नः॒*) **हमारे** (*चक्षुः॑*) **नेत्रों को** (*द॒धा॒तु॒*) **बल प्रदान करे।**

4. om chakṣhurno devaḥ savitaa chakṣhurna uta parvataḥ
chakṣhur-dhaataa dadhaatu naḥ Ṛig 10:158:3

May the (*devaḥ*) **divine** (*savitaa*) **sunlight help** (*no*) **our** (*chakṣhur*) **sight! May** (*uta*) **these green** (*parvataḥ*) **mountains increase** (*na*) **our** (*chakṣhur*) **sight and may** (*dhaataa*) **the almighty also** (*dadhaatu*) **give strength to** (*naḥ*) **our** (*chakṣhur*) **eyes.**

ओं चक्षु॑र्नो धेहि॒ चक्षु॑षे॒ चक्षु॑र्वि॒ख्यै त॒नूभ्यः॑ ।
सं चे॒दं वि च॑ पश्येम ॥५॥ ऋग् १०:१५८:४

चक्षुः॑ नः॒ धे॒हि॒ चक्षु॑षे॒ चक्षुः॑ वि॒ऽख्यै त॒नूभ्यः॑ । सम् च॒ इ॒दम् वि च॒ प॒श्ये॒म॒ ॥

हमारे (*चक्षु॑षे॒*) **नयनों में** (*चक्षुः॑*) **ज्योति** (*धे॒हि॒*) **दिजिए। हमारे** (*त॒नूभ्यः॑*) **शरीरों को सब कुछ** (*वि॒ऽख्यै*) **अलग अलग पहचानने वाले** (*चक्षुः॑*) **नयन दिजिए ताकि** (*नः॒*) **हम** (*इ॒दम्*) **यहाँ** (*सम्*) **पास** (*च॒*) **और** (*वि*) **दूर समान रूप से भली भाँति** (*प॒श्ये॒म॒*) **देख सके।**

5. om chakṣhurno dhehi chakṣhuṣhe chakṣhurvikhyai tanoobhyaḥ sañ chedam vi cha pashyema Ṛig 10:158:4

O God! Please (*dhehi*) **grant** (*chakṣhur*) **sight in** (*no*) **our** (*chakṣhuṣhe*) **eyes; bless our** (*tanoobhyaḥ*) **bodies with strong** (*chakṣhur*) **eyes that can** (*vikhyai*) **distinguish between things so that we can** (*pashyema*) **see equally well** (*sañ*) **near** (*cha*) **and** (*vi*) **far.**

ओं सुसंदृशं त्वा वयं प्रति पश्येम सूर्य । वि पश्येम नृचक्षसः ॥६॥ ऋग् १०:१५८:५

सुऽसंदृशम् त्वा वयम् प्रति पश्येम सूर्य । वि पश्येम नृऽचक्षसः ॥

हे (*सूर्य*) **सूर्य!** (*वयम्*) **हम** (*नृऽचक्षसः*) **मानव के हितकारी** (*त्वा*) **तेरे** (*सु*) **सुन्दर रूप को** (*संदृशम्*) **उदय से** (*वि*) **अस्त होते हुए** (*पश्येम*) **देखें । हमारी दृष्टि समभाव वाली पक्षपात रहित हो ।**

6. om susandṛishan tvaa vayam prati pashyema soorya vi pashyema nṛichakṣhasaḥ Ṛig 10:158:5

O (*soorya*) **Sun! May** (*vayam*) **we** (*pashyema*) **see** (*tvaa*) **your** (*nṛichakṣhasaḥ*) **benevolent** (*su dṛishan*) **beauty from** (*san*) **dawn to** (*vi*) **dusk! May we be impartial, free from all preconceived notions!**

स्त्री इस वाक्य से अपने पति का अभिवादन करे। इस वाक्य मे १ की जगह पति का गोत्र ओर २ की जगह अपना नाम बोले।

The lady should pay respect to her husband while saying this sentence. In this sentence replace 1 with the husband's gotra and 2 with lady's name.

ओम् (अमुक)[१] गोत्रा शुभदा (अमुक)[२] दा अहं भो भवन्तमभिवादयामि ।

om (amuka)[1] gotraa shubhadaa (amuka)[2]daa aham bho bhavantam-abhivaaday-aami.

इसके उपरान्त हवन को दैनिक कर्म के अनुसार पूर्ण करें।

Now complete the havana as per the daily routine procedures.